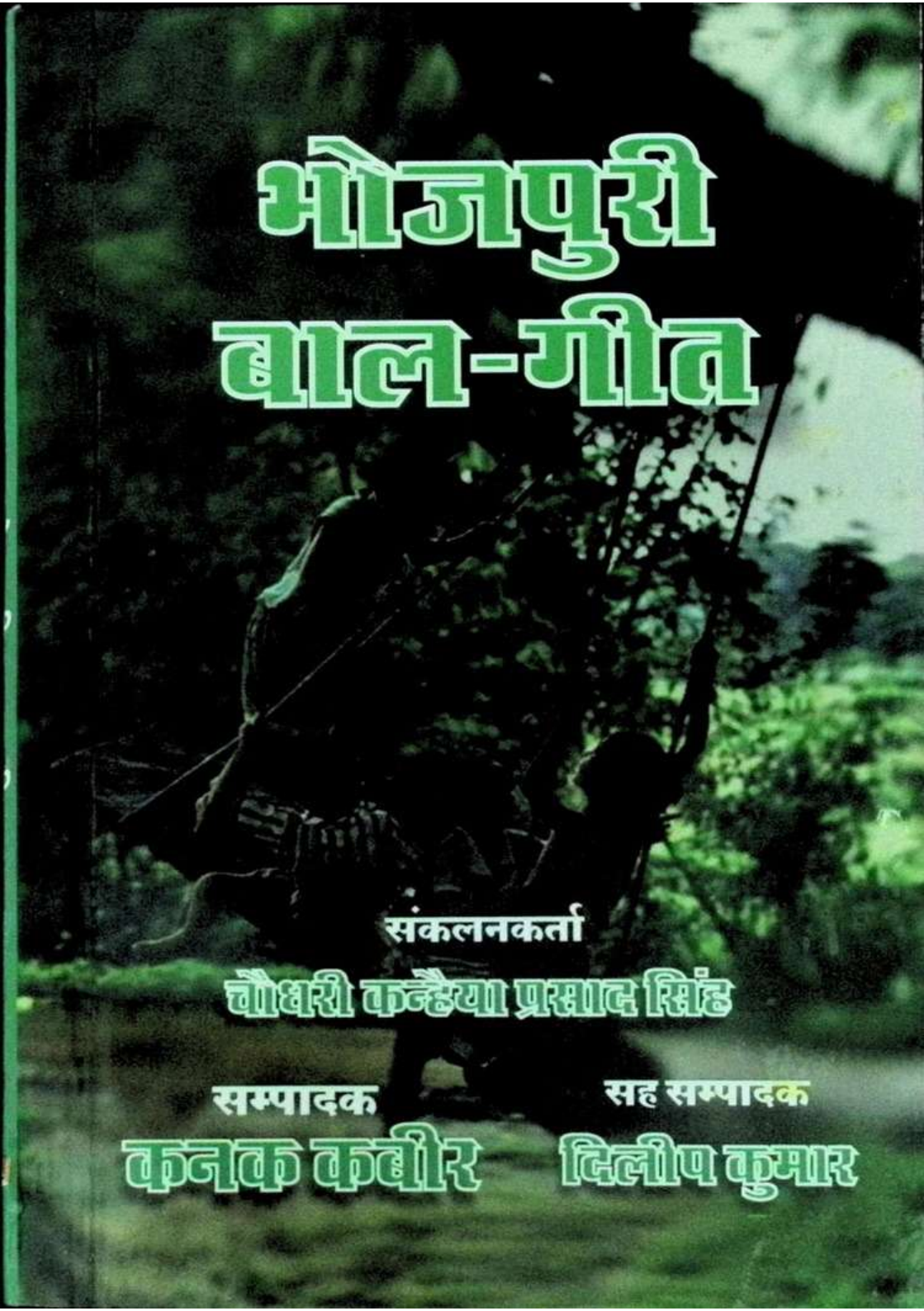
भोजपुरी बाल-गीत



संकलनकर्ता

चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह

सम्पादक

कनक कबीर

सह सम्पादक

दिलीप कुमार

www.bhojpurisahityangan.com

भोजपुरी बाल-गीत

संग्रहकर्ता

चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह

संपादक

कनक किशोर

सह संपादक

दिलीप कुमार

श्री निर्मल प्रकाशन

www.bhojpurisahityangan.com

भोजपुरी बाल-गीत

ISBN – 9789334427448

श्री नर्मदा प्रकाशन

प्लॉट नं. 11 त्रिवेणी नगर, लखनऊ (उ.प्र.)

चलभाष : 6391393776

रचनाओं का एकाधिकार : कनक किशोर

संस्करण : प्रथम (2025)

मूल्य – रु. 250.00 मात्र

आवरण – गूगल से साभार

Bhojpuri Bal Geet

Collected by : Choudhary Kanhaiya Prasad Singh

www.bhojpurisahityangan.com

समर्पण

स्मृति शेष माई के चरणन में
एक अंजुरी फूल के साथ सादर समर्पित।

– कनक किशोर

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

भोजपुरी बाल-गीत के विविधता भरल संसार

डॉ. राजेन्द्र रंजन चतुर्वेदी जी के लोक संस्कृति से जुड़ल साहित्य के लोप होखत देखि के कहल ह कि 'लोकजीवन की गहराई तक पंहुच कर वहाँ प्रकाश विकीर्ण करने वाला साहित्य आज कहां है? कुछ समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूं? नहीं है, यह कहना तो ठीक नहीं होगा क्योंकि जनता के पास अपना साहित्य सदा रहा है और सदा रहेगा। जिस पुरानी पीढ़ी के संसर्ग में जीवन का इतना समय बीता, वह पीछे हो गयी या पीछे ढकेल दी गयी। साहित्य में राजनीति आयी, जाति आयी, विदेशी शब्द आये, विदेशी शिल्प आये, वामपन्थ और दक्षिणपन्थ आये राज्याश्रय और दरबारी-प्रवृत्ति आयी, पुरस्कार और पदवीदान आये, अपने-अपने रिजर्वेशन आये परन्तु जनता से साहित्य का संबंध कहीं दुबक गया'। जीवन में प्रकाश विकीर्ण करे वाला साहित्य बाल गीत ह। भोजपुरी लोक संस्कृति के गहराई से जुड़ल गीत हई सं बाल गीत। आजु के जीवन के आपा धापी में लइकाई भुला गइल बा। लइका के जनमते स्वागत होत रहे बाल गीत से। पैर होखे से लेके किशोरावस्था तक बाल गीत के साथ जिनिगी गुजरत रहे। कहल जा सकेला ललना के पलना, गोदी से लेके खेल के मैदान तक। पहिले लइकन के पीठ पर बस्ता के बोझा ना रहत रहे। घर में डिजिटल जुग वाली मनोरंजन के साधन ना रहे। जीवन में संस्कार के बीज बाल गीत बोवत रहे। लइकन के रोआवे, हंसावे, सुतावे, खेलावे, मनावे के साधन रहे बाल गीत। आज लोक से त लोप होते बा कागजों पर नइखे लउकत।ई स्थिति देखि डॉ. चतुर्वेदी के कहनाम लोक संस्कृति से जुड़ल साहित्य के लेके सही बुझात बा। वाचिक आ लिखित दूनों रूप में लोक संस्कृति से जुड़ल बाल गीत के लोक से विलुप्ति होत स्थिति चिंता के बात बा। भोजपुरी में बाल साहित्य के पक्ष काफी कमजोर बा एह से इंकार नइखे कइल जा सकत। भोजपुरी लोक में बाल गीत के वाचिक परंपरा मजबूत रहल बा। आज लोक से लोप हो रहल एह परंपरा के संरक्षण

www.bhojpurisahityangan.com

के जरूरत बा। चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह जी के एह संकलन के ओहि दिसाई एगो ठोस कदम कहल जा सकेला। चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह जी के संकलित भोजपुरी बाल गीतन के आठ भाग में बांटे के चरचा आवेला बाकिर एह संकलन में पांच प्रकार के गीतन के देल गइल बा। ई उहां के भोजपुरी अकादमी के सदस्य रहीं ओह समय के काम ह। पुरान काम रहला के कारण 'फुसलवना', ऋतु गीत आदि वाला पांडुलिपि के अंश ना मिल सकल एही कारण खाली पांच तरह के बाल गीत एह संकलन में देल जा रहल बा।

भोजपुरी बाल-गीत के संकलन आ शोध के दिसाई काम बहुत कम नजर आवेला बाकिर अइसन नइखे कि काम नजरे ना आवत होखे। 'भोजपुरी बाल-गीत : एक सांस्कृतिक अध्ययन' डॉ. स्वर्ण लता के शोध एह दिसाई एगो प्रमाणिक काम बा। अपना प्राक्कथन में ऊ कहत बाड़ी कि 'बिहार राज्य के भोजपुर क्षेत्र में भोजपुरी भाषा के लोक संस्कृति के आपन अलग पहचान बा जवना में फगुआ, चैता, कजरी, बिरहा, उत्सव गीत, बाल गीत के आपन महत्व रहल बा, जे खाली भोजपुर के ना बिहारी संस्कृति के देश-विदेश में परिचायक रहल बा। समय-समय पर भोजपुरी साहित्यकारन आ शोधार्थियन द्वारा यह विषयन पर शोध, शोधपरक लेख आ पुस्तक के प्रकाशन भइल बा। बाकिर भोजपुरी बाल गीत पर विस्तृत काम आज ले नजर ना आवे'। आगे उहाँ के कहल बाति बाल-गीत के सार्थकता के दिसाई कह रहल बा कि 'भोजपुरी बालगीत विविधता से भरल बा बाकिर भोजपुरी साहित्य के इतिहास में एह विषय पर चरचा खोजलो पर ना मिलेला। लोक साहित्य में बालगीत एकल गीत आ समूह गीत दूनों रूप में मिलेला। मुख्य रूप से बालगीत मनोरंजन के साधन हऽ। भोजपुरी बालगीत में खेल, खेलवना, खेलवनिया पर गीत प्रचुर मात्रा में पावल जाला। चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह भोजपुरी बाल गीतन के आठ भाग में बंटले बानी। खेल गीत खेलत खा बालक/बालिका/किशोर/किशोरी के द्वारा गावल जाला बाकिर खेलवना फुसलवना, अझुरवना गीत परिवार के बड़-बुजुर्ग सदस्य आ नजदीकी रिश्तेदार द्वारा गावल जाला। खेल गीत बालक बालिका, किशोरी/किशोर, के होला तब खेलवना,

www.bhojpurisahityangan.com

फुसलवाना, बझवना, अझुरवना गीत बालक, बालिका, किशोर, किशोरी के पारिवारिक बड़ सदस्यन खातिर होला। बालक के पारिवारिक बड़-बुजुर्ग आ रिश्तेदार द्वारा एह गीतियन के सस्वर लय-ताल मे, कोमल से कोमल आ सुमधुर आवाज में गावल जाला। पारंपरिक बाल गीत प्राकृतिक नदी के धारा अस होले जवन कवनो घेरा के ना माने आ एक कियारी से दोसर-तीसर कियारी में, एक ताल तलइया से दोसर-तीसर ताल तिलइया में मांकत रहेले सं। एह गीतियन के गावत, खेलावत, फुसलावत, अझुरावत, बझावत बड़ो-बुजुर्ग के व्यायाम हो जाला। एह भाग के गीतियन के सुने खातिर लइका-लइकी बड़-बुजुर्ग के घेरले रहेलन सं। एह से बूढ़ो-बूढ़ी के मनसायन रहेला, घर में शांति रहेला। पढ़े आ सीखे खातिर बइठे के आदत लइकन/लइकिन में स्वाभाविक रूप से पनपेला। बड़-बुजुर्ग के छोट-मोट टहल-टिकोरो हो जाला। बड़-बुजुर्ग के आ रिश्तेदार के अनुभव/ज्ञान के लाभ अगिला पीढ़ी में स्थानातंरित होत रहेला। एह गीतियन से जवन अनुभव/सीख मिलेला ऊ भावी जिनगी में काम के साबित होला। बालक/बालिका के ज्ञान क्षितिज के विस्तार बिना अतिरिक्त मेहनत, समय के स्वाभाविक रूप से हो जाला। जवन भावी जिंदगी के सफर में आइल समस्यन के हल करे में मददगार साबित होला'। ई देखत चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह जी के संकलित गीतन के सामाजिक आ सांस्कृतिक महत्व समझल जा सकेला। भोजपुरी बाल-गीत संरक्षण के दिसाई ई संकलन निश्चित रूप से एगो ठोस आ प्रभावी काम बा। अनुजवत् दिलीप कुमार के एह संकलन के संवारे-बनावे खातिर हार्दिक आभार आ भाई सत्यम बघेल आ श्री नर्मदा प्रकाशन परिवार के साधुवाद। भोजपुरी बाल-गीत के विविधता से भरल संसार एह संकलन में उपस्थित बा। किताब रउवा हाथ में बा आपन पाठकीय प्रतिक्रिया जरूर देब।

– कनक किशोर

चलभाष – 9279200401

www.bhojpurisahityangan.com

अनुक्रमणिका

1.	खेल गीत	9
2.	खेलवना गीत	33
3.	चकुचंदा गीत	39
4.	बुझउवल	47
5.	चिढ़उवल	67

www.bhojpurisahityangan.com

खेल गीत

कवलो खेल शुरू करे कि पहिले सवाल उठेला कि केकरा से कइल जाय? ओकर चुनाव करे खातिर खेलाड़ियन के एक धारी से खड़ा कर देल जाला। एगो बड़ लइका धारी से निकल के सामने आ जाला आ गीत गा गा के, अपना समेत, सब केहू के तरफ इसारा करेला बारी-बारी से। जेकरा पर अंत होला ऊ धारी से बाहर हो जाला। एही तरह होत रहेला आ जब धारी में एक लइका रह जाला तब ओकरे से खेल शुरू होला।

खेल के साथ-साथ गीत चलत रहेला। ई गीत हर खेल खातिर अलग-अलग बाड़िस जादहूं। एके खेल खातिर एक से जाय हूँ गीत बाड़िस....

चुनाव करे खातिर गीत -

1. इन बीन,
   सवा तीन।

2. अदल गदल,
   नेहा नदी।

3. अटेन बटेन
   तिलाकन गोटी
   चामुक चीट
   महिको डीको
   पुरन पाठ
   जमेठी ठेठी ।

www.bhojpurisahityangan.com

4. अटेन बटेन गुरू चम्पा
बाग में पड़ल डेरा
केहू आम तुरी केहू तारा
केहू गुटुर मुटुर माला
केहू गुरू केहू चेला
केहू रह गइल अकेला।

5. दस बीस तीस चालीस
पचास साठ सत्तर अस्सी नब्बे सौ
सौ में लागल तागा
चोर निकल के भागा
पाव रोटी बिस्कुट
मेम खाय कुट कुट
साहब बोले भेरी गुड।

6. अटेन के बटेन
मोती चूर के गुलाम
भो भो के तेल
गोली खेल के सिकार।

7. इन्टी बिन्टी
पापड़ टिन्टी
टाईं टुईं टस
शैतान घर में
चिड़िया बोले
चाईं चुईं चस।

www.bhojpurisahityangan.com

8. अटम बटम गोली चम्पा
बागन में डंका
अरबत की शरबत
गुरू कि चेला, निकल जा अलेला।

9. इतिल बितल तितिल झक्का झोर
करिया तंग लाल पीयर हरियर बटम।

10. आगज कागज कलम दवात
लिख पढ़ होख पास।

11. इतिल बितिल तितिल चोर
जाफा जंग करिला तंग
लाल पीयर वेद रंग।

12. गड़र-गठर काठे के माला
माला तुरी सागल भाला
दाँत बिजुली करूआ तेल
नोहे गड़े लछुमन के छाती
उची पुची पान फुलीची
गोंफ गुलर गेल्हा।

13. अकड़ा खपड़ा
बड़ी जवानी के छोकड़ा
ओ गुदी के लार चुवे
गोंफ गुलर गेल्हा।

www.bhojpurisahityangan.com

घोड़िया पचक -

1. अटकन, बटकन, दही चटाकन
बर फूले, बरइला फूले,
सावन मास करइला फूले,
रामजी के घोड़िया पचक।

2. ओका, बोका तीन तड़ोका
लउवा, लाठी चनन काठी
चनना के नाँव का? गाँव का?
तितली बुझाँव का?
बर फूले, बरइला फूले
सावन मास करइला फूले
इजई बिजई
रामजी के
घोड़िया पचक।

तार काटो -

1. तार काटो, तरकुल काटो
काटो रे खरबुजा
हाथी पर से घुघुरा
चमक चले राजा
राजा के रजइया ह
भाई के दूपाटा
हिंच मारो, घिंच मारो।

www.bhojpurisahityangan.com

2. तार काटो, तरकुल काटो
काटो रे बन खाजा
हती चुकी हंसुली
चमक चले राजा
राजा के रजइया हो
भाई के झपाटा
हिंच मारो, घिंच मारो
मुसर नियन बेटा ।

3. 'हती चुकी हंसुली' के जगह पर
'हाथी प के घुघुनी' अउर सब
ऊपर जइसन।

चुंटा चुंटी -

1. चुंटा हो चुंटा
मामा के घइलवा काहे
फोरल हो चुंटा?
मामा मरिहे नू
लाता लुती, लाता लुती...।

2. चुंटा हो चुंटा
मामा के घइलवा काहे
फोरल हो चुंटा
मामा के झगरवा
छोड़ाव हो चुंटा
लाता लुती, लाता लुती...।

www.bhojpurisahityangan.com

तोरा खात अंटकी?

ओका बोका तीन तड़ोका
लउवा लाठी चनन काठी?
चनना के नाँव का, गाँव का
सावन मास कइला फूले
हिंच मारो, घिंच मारो
सुगा अइसन मीत मार
तोरा खात अंटकी?

बिल्ली -

1. बिल्ली! बिल्ली! कहाँ जालू?
भंटा तूरे खेत में।
कइसे तुरबू?
नेहूरा से
कइसे लइबू?
डुघुरा से
कइसे चिरबू?
कुतुर कुतुर
कइसे निरहबू?
फुदुर फुदुर
कइसे खइबू?
गुबुर गुबुर?
कहाँ सुतबू?
चुल्हा में
का ओढ़बू?
सूप / देख बिलइया के रूप।

www.bhojpurisahityangan.com

2. हे में का बा?
'बबुआ'
का खाला?
दूध-भात
हगेला का?
लेंढुकी
मुतेला का?
करूआ तेल
सुतेला केथी में?
चुल्ही में।
का बिछावेला?
चालन।
का ओढेला?
सूप
देखी, देखी, बिलइया के रूप
तनी तू खा, तनी तू खा।
तनी उहो खास ।

राजा-परजा -

ए राजा?
का परजा?
तोहरा खेत कतना?
बिगड़ा पचास
लेब कि देब?
जान छोड़ब?

www.bhojpurisahityangan.com

जांता -

चल चल चल रे जंतवा ।
मामा भुखाइल रे जंतवा ।।

बकुला -

1. बकुला बकुला कहाँ जाल?
मुरई के खेत में।
सेर भइ सतुआ लेले जा;
गंगा में दहवले जा,
गंगा में के मुसवा?
के मउसवा ।

2. कतहूं कतहूं 'बकुला' के जहग
पर 'बूढ़ी' कहल जाला ओह
हालत में 'जाल' के बदला में
'जालू' हो जाला ।

घिरनी -

कतरा के झाड़ तर
बाघ बइठल बा
बक हे बेयार! बक हे बेयार!

चंदा मुरगी -

1. चंदा से परगाना जो
जेकरा हाथ में गोटी परे
से भागे बड़ी दूर।

www.bhojpurisahityangan.com

2. जेकरा में सोन्ह परे
से ही ले पराय।

सोनकवड़ा –

1. सोन द सोनकवड़ा द,
लाख रूपइया डांड़ द।

2. सोन द सोन कउड़ी द
बाबाजी के बउड़ी द।

घोघो रानी –

घोघो रानी
कतना पानी?
अतना पानी
ठेहुना भर पानी
डांड़भर पानी
छाती भर पानी ।

उठ बइठ –

बड़का पीपर पाकल बा
धरती से छुआइल बा
नगबा नगीनिया बा
सार बहनोइया बा
सार गइले पटना
ले अइले ककना
लोहे के डंटा

www.bhojpurisahityangan.com

चाउर छांटा
मारे ली .....बो
टंगुनी से फांका ।

ढेंढुकिये पचका देब -

आरो पारो, मधुरी पियारो
मधुरी के खेतवा में
बा बीरन भइया
का खात बाड़न?
खुदी चुनी।
ढ़ेढुकिये पचका देब।

सिलवट लोढ़ा -

अरवा चाएर पुरान ढकनी
आवेली.... बहू मार बढ़नी
दर पर सिलवट

चाईं-चोर -

चाईं चोर चाका
मस्जिद उठावे पाका
रण्डी के लागल धाका
निकल जा कलकत्ता।

www.bhojpurisahityangan.com

कोढ़ा –

अठला मटेल गोइंया अठला मटेल
केवन केवन खेल गोइया केवन केवन खेल?
राजा घोड़ा बिछन्दर खेल
केकरा प मेल गोइयां केकरा प मेल?

रामजी रामजी –

रामजी! रामजी! हंसुवा
ऊ हसुआ द काहे के?
खरई कटावे के।
ऊ खरई काहे के?
बंगला छवावे के।
ऊ बंगला काहे के?
गइया ढुकावे के।
ऊ गइया काहे के?
चोतवा पुरावे के
ऊ चोत काहे के?
अँगना लिपावे के।
ऊ अँगना काहे के?
गहुंमा सुखावे के।
ऊ गहुंमा काहे के?
पुअवा पकावे के।
ऊ पुआ काहे के?
भउजी के खाये के।
ऊ भउजी काहे के?
बबुआ बिआये के।

www.bhojpurisahityangan.com

ऊ बबुआ काहे के?
गुल्ली-डंटा खेले के
गुल्ली-डंटा टूट गइल
बबुआ रूस गइल
कोरा में घुस गइल।

हवा खातिर -

1. मुस के टंगरी पीपर के पात
   बह पवन गोसाईं झुर झुरवा बहास।

2. मुस के टंगरी पीपर के पात
   हवा बहे झुर झुरवा बतास।

पानी खातिर -

1. हाथी प्यासल घोड़ा प्यासल
   ए मौला तू पानी द।
2. लाल लंगउटी पीपर धोती
   ए मौला तू पानी द।

3. राम जी राम जी पानी द
   डीकी में दू दाना द
   माई बाप मरले बा
   ओरी तर बइठवले बा।

4. रामजी रामजी पानी द
   सुगवा पिआसल बा।

www.bhojpurisahityangan.com

घाम खतिर –

1. चलनी में अंटा बादर भण्टा
   हे बादर तू घोंघा खा
   फाट फूट के निबदर जा।

2. चलनी में अंटा बादर भंटा
   कर गोसाईं कर करवे धाम ।

3. रामजी रामजी धाम कर
   सुगवा सलाम कर
   तोहरा बलकवा के जाड़ लागेला
   कमरी ओढ़ के बिहान कहेला
   चइली चीर के आग तापेला ।

बरसा रोके खातिर –

एक मुठी लाई
बाजार में बिकाई
बरखा ओनही बिलाई।

गोइंठा खातिर

जय जजमानी, तोरा सोने के केवाड़ी,
दूगो गोइंठा द।

आग सुनगावे खातिर –

1. रामजी रामजी आग द
   मछरी पकावे के

www.bhojpurisahityangan.com

हम तू खाये के
केहू के ना देवे के।

2. बुधु बुधु आग द।

किरिया धरावे खातिर -

इकरी बिकरी, सोने के टिकरी
तोहरा पर सभकर किरिया धराई
बाप-भाई चबाई
केहू किरिया ना छोड़ाई।

किरिया उतारे खातिर -

1. एक मुठी सुतरी
हजार किरिया उतरी।

2. बकुला बकुला कहाँ जालऽ
रहरी के खेत में।
रहरी के खूंटी खांटी
बांस के मचान
हमरो किरियवा
उतरिहऽ भगवान।

3. बुढ़ी बुढ़ी कहाँ जालू
गंगा जी नहाये
गंगा में के खूंटी-खांटी
सोने के मचान

www.bhojpurisahityangan.com

हमरो किरियवा
उतरिहऽ भगवान।

आंही बूनी अइला पर -

आंही बूनी आवेले
चिरइयां ढोल बजावेले।

आरा बारा -

आरा बारा मधुरी पेयारा
अरवन सरवन खेत जोतेला
चिरइया कइसन बिया
खुदी चुनी खाके
ढेंढुकी फुलवले बिया।

भउजी के देख के -

जोतल खेत में तावा गिरे
तावा रे पुरानी
भइया के झुन झुनवा गिरे
भउजी के चुहानी।।

भोर देख के -

थपरी बाजे
मोरवा नाचे
चल मोरवा बरियारी।

www.bhojpurisahityangan.com

लइकिन साथे लइका के खेलत देख के -

बेटियन में बेटवा
गुलेल खेलला
भर माँग सेनुरा
जियान करेला।

तितिली धरत लइका के देख के -

हुलु तितलिया हुल
तोर जान मारेला
सांझे के सुतलका
बिहान करेला।।

भउजी पर चुटकी -

अरवा चाउर मकइया दूध
चल बेटी दानापुर
दानापुर में का बा?
लाल लाल सिपाहिया बा
दूनो कान कटवले बा
रामजी के सुगवा
बिनेला खटोलवा
ओह पर सुते भइया-भउजी
बीच में बलकवा।

हुंकावे खातिर -

हुंकवा हुंक
तमाकू फूंक।।

www.bhojpurisahityangan.com

बीच बइठल लइका के हटावे खातिर -

अगल बगल लइका
बीच में गुह खउका।

बीच वाला ना हटल चाहे तब -

1. अगल बगल तार
बीच में सरदार।

2. अगल बगल मटर
बीच में कलटर।

खात देखत लइका के भगावे खातिर -

कवरा अगोरे से पीभ-रोटी खाय
मुअली बिलाई के हड़री चबाय।।

गरूड़ उड़ावे खातिर -

अमवा तर के लकड़ी
महुइया तर के धूर
धाव, धाव हो गरूड़।

डेरवावे खातिर -

अकाइन, बकाइन सिसउवा तर के डाइन
तो के चूनरी चढ़ाईब...

www.bhojpurisahityangan.com

कबड्डी -

1. आम छू, आम छू
   कउडी झमाक छू।।

2. चल कबड्डी आरा
   सुल्तानगंज मारा
   केहू नांव लिया हमारा।

3. तोर गोइयां मुए
   केहू लकड़ी ना दे
   सुरहुर पेंड़ केहू
   काटहीं ना दे।

4. कबडीन डीना
   कबडीन डीना
   हनुमान के बेटा
   तीन जना।

5. थारी में पानी
   कटोरा में तेल
   कबड्डी खेल।

6. डिब्बा में पानी
   कड़ाही में तेल
   कबड्डी खेल।

www.bhojpurisahityangan.com

7. चल कबड्डी आइला
तबला बजाइला
तबला में पइसा
लाल बगइचा।

8. सेल कबड्डी आवे दे
तबला बजावे दे
तबला में ठोक ठाक
बाजे मृदंग

9. इमली के पत्ता
गह गह करे
कनन जवान मोर
गटा धरे।।

10. सेल कबड्डिया
तोड़ देब हड्डिया
बांस के पत्ता
खर खर करे
कवन बहादुर
हमके धरे?

11. घोड़ा पर हउदा
हाथी पर जीन
जल्दी जल्दी भागल
वारेन हस्तीन।

www.bhojpurisahityangan.com

12. कोठी पर अनवा
हम तोर ननवा।

13. चल कबड्डी रेता
भगत मोर बेटा
भगताइन मोर जोड़ी
चराव बेटा घोड़ी।

14. कबड्डी के नेरे नेरे
बांस के बंड़ेरा
सिसम घास
जनकपुर डेर।

15. चल कबड्डी आइना
तबला बजाइना
तबला में पइसा
लाल बगइचा
मनुवा धोबी
अहीर के बच्चा।

16. एक थारी जामुन
हम तोर पाहुन।

17. भर अँगना काई
ननद-भउजाई।

www.bhojpurisahityangan.com

18. चल कबड्डी अरिया
मर गइल बकरिया
मोंछ तोहार करिया।

19. चल कबड्डी आस लाल
मर गइले परगास लाल
मोंछ हमार लाल लाल।

20. कबड्डी, / कबड्डी बाड़ी।

21. एक सुई में
तीन तागा
तागा बोले
दमे छू।

22. बांस के फराठी
बाबू कुंवर सिंह के लाठी
चले दना दन दना दन दना दन।

23. कबड्डी में लबड्डी
पताल बड़ी दूर
साहब के नाती
उड़ाचेला धूर।

24. चल कबड्डी आरा
हनुमान ललकारा
बच्चू घेर घेर मारा।

www.bhojpurisahityangan.com

25. चल कबड्डी आवे दे,
डुग डुगी बजावे दे।

26. एंडी मे दोड़ी, कड़ाही में तेल,
साहब के लइका कबड्डी खेल।

27. कबडी में लबडी पताल हहराय,
चिल्ह कउचा हांक पारे बाघ लरियाय।
कबड्डी पर डील.....।।

28. एक कउड़िया रेता, भगत मोर बेटा,
भगताइन मोर जोड़ी, खेलब हम होरी।

29. एक कउड़िया नारा, सुल्तानगंज में पारा,
खरबूजे के ताल पर पलटन को भारा।

30. आव तानी हो, परहइ जनि हो,
रांग जाई टूटी, कपार जाई फूटी ।
लड़िकपन छूटि... ।।

31. तोरा अँगनवा बाँस बा
बंसुरी बनावे द।
तोरा माई के पेट बा दबिला चलावे द।।

32. तोरा अँगनवा साठी, तोर बाप-माई पाठी,
हम देखले बानी....

www.bhojpurisahityangan.com

33. तोरा अँगनवा किली, तोर बाप-माई पिली
हम देखले बानी....

34. दूध में बतासा,
बबुआ करे तमासा।

35. खइले बानी आटा
तुरब गाटा....

जीतला पर -

एक फली के डंका
हमार नाव बंका।।

छप्पर पर कउवा देख के -

कउवा मामा कउवा मामा
टीमीकी बजा द।
हम बानी लइका
निहुरी के नचा द।।

घुमत-फिरत खा -

माई पाकई गर गर पुआ,
हम खाइब पुआ
ना खेलब जुआ।।

www.bhojpurisahityangan.com

मकई के खेत में मचान पर से –

1. मइनी खाली खैनी बकुलवा खाला पान
   मइनी के सात बेटा, सातों मुसलमान
   मइनी चलेली उतान।।

2. एक बाल लेबू हजार बाल लेब
   तोहरा दादा से चवन्नी झमकाइए त लेब।।

दियरा में कांह पर लाठी रख के जात –

राम मड़इया राम के बसे गंग के तीर।
दिएरा के लिटी खाइ के अइंठत चले शरीर।।

मुंह के सामने खड़ा होके –

'हतना भात खइब?
'हँ!'
'रामजी के बकरी चरइब?'
'हँ!'
'रामजी मरिहे त ना डेरइबा?'
'ना!'
'डेरा गइल!'

बहादुरी बखाने खातिर –

रहिला त रन बन, खाइला मकोह
सात सियार के चरवन होय
सात भइंस के सात चभाका सोरह सेर घीव खाऊँ रे,
कहाँ बाड़े तोर बाघ मामा, एक पकड़ लड़ जाऊँ रे।।

www.bhojpurisahityangan.com

खेलवना

तेल लगावत खा-माथ पर -

चाभुर-चाभुर तेलिया
घीव में चभोरिया
हम खाईं कि भउजी खाई
भउजी पतरेंगिया।।

गोदी में लेके हिलावत खा -

1. बाबू हमार केथी के
चनना कस्तुरी के
बाप-माई लवंगिया के
आजा आजी अमर के
पीतिया पितम्बर के
लोग वेयादर माटी के
हम खेलवनिया मोती के।

सुत के गोड़ पर लइका के लेके -

1. घुघुआ माना, उपजे धाना
अइहें बचिया के मामा
छेदा दिहें काना,
पहिरा दिहें बाला,
नई भीती गिरेले
पुरानी भीती उठेले

www.bhojpurisahityangan.com

सम्हरिहे बुढ़िया।
छिपा-लोटा।।

2. घुघुवा माना मनेर से
अरवा चाउर डेढ़ सेर
बबुआ खाई दूध भतवा
बिलाई चाटी पतवा
पता उड़िया गइल
बिलइया लजा गइल।

3. घुघवा माना, उपजे घाना
घनि घनि अइले बबुआ के मामा
बबुआ के नाक कान दूनो छेदवले
सोनरा के दिहले भर सूप धाना
सोनरा के पुतवा देला आसिस
बबुआ जिए लाख बरीस।

दिया देखावत -

आँखो, माखो, सोनक दियरा
रूपक बाती
बबुआ सुते
सुखक राती
गाड़े लागत बानी
लक्ष्मी नारायन।।

www.bhojpurisahityangan.com

चोट लगला पर रोवत लइका के चुप करावत -

1. अंतर मंतर घोंघा साड़ी
   कोठी तर पीतिआइन बाड़ी
   से दुख देले बाड़ी
   से दुख लेले जास.... छू.... ।

2. काहे तू रोवेले बुची रे
   पायंट ला कि टोपी ला ।

3. सुगवा धनवा खात बा
   मार बेटी भक्षनी
   गोड़ में देबो पैजनी
   खाये के देबो भोजनी
   गंगा पार बिआह देब
   आवे के ना जाये के
   टुसु टुसु रोवे के।

खिआवत खा -

चंदा मामा! आरे आव, बारे आव
नदिया किनारे आव
सोना के कटोरवा में
दूध-भात लेले आव
बबुआ के मुहवा में घुट।

www.bhojpurisahityangan.com

तेल लगावत खा देह में -

1. कांची कुची कउआ खाय ।
   घी के लोंदा बबुआ खाय ।।

2. चामन अइसन, चुमन अइसन
   महना जुआठ अइसन
   तेलिया के छंवड़ा दुबरा
   हमार बाबू कुमना।।

रोवत लइकी के चुप करावत खा -

1. आगे मंइया कलावती
   सिर पर देबो पउती
   गंगा पार बिआह देबो
   आवे के ना जाये के
   दुसुर दुसुर रोवे के।

2. अरर बरर के पतवा
   बिलइया चाटे पतवा
   चाटते चाटते बिलइया
   गइली पिछुवरिया
   कुकुरा धर लेलेस
   भर अंकवरिया
   छोड़ छोड़ कुकुरा
   अब ना आइब
   तोरा (मालिक) पिछुवरिया।।

www.bhojpurisahityangan.com

सुतावत खा -

1. आव रे खद बुदी चिरइया
   अंडा पार पार जो
   तोरा अंडा में आग लागे
   बाबू सुता के जो।।

2. आ रे खद बुदी चिरइया
   खुदी चुन चुन खो
   तोरा खुदी आग लागो
   बाबू सुता के जो।

3. आव रे निनरिया निनरपुर से
   निनिया सुतेले बड़ेरी चढ़ी के
   बबुआ सुतेला पलंग चढ़ी के।

गोदी में लेके खेलावत खा -

सन चिरइया आव, पापड़ा पकाव
तोरा पापड़ा में आग लागल
बबुआ के खेलाव।

दूध पिआवत खा -

1. आव रे गइया अगरी
   दूधवा दे भर गगरी
   बबुआ पिही भर गगरी।।

www.bhojpurisahityangan.com

2. बाबू हमार भइया हमार बाल बचना
बाप गलहू चंवरा चिचोर कोड़ना
उहवा से अलहूं त भर ढकना
मोटरी पटक देले भर अंगना
दूधवा पिया देले तीन ढंकना।।

खेलावत खा -

1. गलर गलर पुआ पाकेला
चिलरा खोइंछा नाचेला
जोरे चिलरा खेत खरिहान
लेके अइहे कनक जीर धान
ओ ही धान के चुरा कुटइबो
बामन बिसुन भोजन करइबो।।
बभना के पुत दीही असीस
जीअ बबुआ लाख बरीस।।

www.bhojpurisahityangan.com

चकुचंदा के गीत

1. बीच अँगना बीच हाथी खड़ी
जब मारे तब मोती झरे
मोती चुन चुन बंगला छावे
राजा के लइका देखत रहे
धर टंगरी पटक देनी
रोवत रोवत घर गइल
घर के बेकत अजब देखवले, गजब देखवले।।

यार हमार रहिते
तलवार खड़ा करिते
हरिन के मार मरिते
गुरधनिया गुरधनिया
शिव शंकर पांडे चोली
बगि बगि चोली
चोली ऊपर छिटिका
सिरि गणेश जी मिटिका
सिरि गणेश जी चढ़ेऊ तुरंग
नव सौ मोती झलके अंग
एक मोती हरताला ताला
गुरू पढ़ावे पंडित माला
पंडित माला देले असीस
जीअ चटिया लाख बरीस
लाख लाख के ताख मंगवनी
दिल्ली से गज मोती मंगवनी
ओढ़ पेंह कर सिंगार

www.bhojpurisahityangan.com

दुश्मन छतिया गिरे अंगार
जे लइकन के नजर लगइहें
उनकर रूप कालिका खास।।

2. खेलत कुदत एगो लोहा पवनी
ऊ लोहा लोहरवा के देनी
लोहरवा बेचारा हंसुआ देलस
ऊ हंसुआ चरवहवा लेलस
चरवहवा बेचारा घास देलस
ऊ घास गइया लेलस
गइया बेचारी दूध देलस
ऊ दूध बिलइया लेलस
बिलइया बेचारी मुंसा देलस
ऊ मुंस चिल्होरिया लेलस
चिल्होरिया बेचारी हार देलस
राजा के लइका देखत रहे
(फिर पहिले अस)

3. खेलत कुदत एगो लोहा पवनी
ऊ लोहा लोहरवा के देनी
लोहरवा बेचारा हंसुआ देलस
मीर के देलस मीर हंसुआ
राजा के देलस तीन हंसुआ
हमरा के देलस हंसुलिए
चल मीर घास गढ़े
मीर गढ़ले मीर बोझा
राजा गढ़ले तीन बोझा

www.bhojpurisahityangan.com

हम गढ़ली अधबोझिए
चल मीर घास बेचे
मीर पवले मीर टाका
हम पवनी अठनिए
चल मीर घोड़ा किने
मीर किनले मीर घोड़ा
राजा किनले तीन घोड़ा
हम किननी गदहिए
चल मीर घोड़ा दउड़ावे
मीर दउड़वले मीर कोस
राजा दउड़वले तीन कोस
हम दउड़वनी अध कोसिए ।
चल मीर पानी पिआवे
मीर पिअवले मीर घाट
राजा पिअवले तीन घाट
हम पिअवनी अध घटिए
अंटक गइल गदहिए
मीर धइले मीर टांग
राजा धइले तीन टांग
हम धई लेनी पोंछिए
कबर गइल पोंछिए
चल मीर आम खाये
मीर खइलन मीर आम
राजा खइलन तीन आम
हम खइनी अंठीलिए
आ गइल रखवरवा
मीर भगले मीर कोस

www.bhojpurisahityangan.com

राजा भगले ती कोस
हम भगनी अधकोसिये
मार देलस झटहवा
मीर के लागल मीर झटहा
राजा के लागल तीन झटहा
हमरा लागल झटुलिए
गिर गइनी हबकुरिए
उठ गइनी ठेहुनिए ।

4. चलीं गणेश जी आगे चलीं
आगे चली चली दिहीं असीस
जीअ चटिया लाख बरीस
लाख लाख के ताख मंगवनी
दिल्ली से गजमोती मंगवनी
ओढ़-पेंह के कर सिंगार
दुश्मन छतिया गिरी अंगार
जे लइकन के नजर लगइहें
उनकर मुए बुढ़वा भतार

5. भादों भउठ गणेश जी अइले
मार डंट मखमुंडनी बजवले
आव आव नंद जी के लाला
नंद बिलाला तुलसी के माला
अपने वृंदावन बछरू चरावे
खोज खाज के घर पहुँचावे
चित्र बिचित्र के बिने खाटी
ब्रम्हा कटिहें बिसुन उतरिहें

www.bhojpurisahityangan.com

रची रची कमरी महादेव बिनिहें
कमरी में लागल नव प्रकासा
खड़ा गोपाल जी दूध के आसा
चौवा चन्दन हो चीत लाई
भले भले से भादो आई
भादो में चकुचंदा होई
चंदा सोभे गोल गाल
डंटा सोभे दूनो हाथ
जिनका बंश पुत्र ना होई,
उनका दुवारे केहू न आई।

6. एक दिन जब फूटलि अंडा
पैदा भइल तीरंगा झंडा।।
तिरंगा झंडा उड़ल आकाश
तब भइले हा जय प्रकाश
जय प्रकाश उठवलन आँधी
तब भइलन हा महात्मा गाँधी
महात्मा गाँधी मरले मंतर
तब भइले हा डाकटर राजेंदर

7. चल चमेली के बाग में
मेवा खिलाइब
मेवा के डाढ़ि टूट गइल
चादर बिछाइब
चादर के खूंट फाट गइल
दर्जी बोलाइब
दर्जी के सूई टूट गइल

www.bhojpurisahityangan.com

लोहार बोलाइब
लोहार के भांथी फाट गइल
घोड़ा दउड़ाइब
घोड़ा के टांग टूट गइल
हर्दी चढ़ाइब
हर्दी ना छोड़े दर्दी
रंग ना छोड़े बुलबुला
बुलबुला ला छोड़े शंख
जा गोपाल से पूछ आवऽ
लड़िहन कि ना?
लड़ब ना त करब का
भाई के नाँव हंसाइब का
मारब गोली तान के
गिराइब मैदान में
रोक लेब खरिहान में।।

8. सोने के कटोरवा में लड्डू भरी।
आईं गणेश जी भोजन करीं।।
भोजन करी करी दिहीं असीस।
जीअ चटिया लाख बरीस।।
लाख लाख के ताख मंगवनी।
दिल्ली से गज मोती मंगवनी
ओढ़ पेंह कर सिंगार
दुश्मन छतिया गिरे अंगार
जे लइकन के नजर लगइहें
उनकर रूप कलिका खास।।

www.bhojpurisahityangan.com

9. आइल हा अंगरेज बहादुर
पानी में रेल चलावेला
काट इंजिन देख गाड़ी
खोल खिड़की टिकट द बाबू
लाटफारम पर गाड़ी रे
गाड़ी पर हम चढ़ गइनी
छूक छूक गाड़ी खुल गइल
बहुत बहार आवत बा।

10. खेलत कुदत एगो कउड़ी पवनी
उ कउड़ी गंगा दहववनी
गंगा मइया बालू देली
ऊ बालू कनुनिया लेलस
कनुनिया बेचारी भुंजा देलस
ऊ भुंजा चरवहवा लेलस
चरवहवा बेचारा घास देलस
ऊ घास गइया खइलस
गइया बेचारी दूध देलस
ऊ दूध राजा लेले
राजा बेचारा घोड़ा देलस
ओह पर बइठे मिया दलाल
मिया दलाल के लाल लाल छूरी।

11. राजा जनक जी के फुलवारी
ओह में धनुष रखल बा भारी
देश देश के राजा अइले

www.bhojpurisahityangan.com

केहू धनुष नाहिं उठवले
लंका के राजा रावण अइले
उहो धनुहां नाहिं उठवले
अयोध्या के राजा रामचन्द्र अइले
धनुष उठा के तोड़ देले
सीता से बिआह कइले।

12. बबुआ आँख मुंदानी माई
बिन कुछ लिए खोलल ना जाई
बबुआ के भाई बड़ी हई दानी
ऊ दिहें सोना अरु चानी
छप्पर पर धरिहें चिल्ह ले भागी
कोठी पर धरिहें मुसवा काटी
बक्सा में धरिहें झिंगुर चाटी
गुरुजी के देल स्वास्थ होई।

13. ए बबुआ तोर माई कइसन?...
घर घर घूमेली बिलइया जइसन।

www.bhojpurisahityangan.com

बुझउवल

1. चार नरम, चार गरम, चार झारा, चार झरी ।
   एक हरिन के बारह चरन, अलग अलग चली ।।

2. एक पेड़ अलबत्ता।
   जेकरा फूल के ऊपर पत्ता।।

3. राजा के बेटा हुमेला के नाती।
   सव गज कपड़ा के बांहले गाती।
   सउसे सड़क दउड़ावेले हाथी।।

4. करिया गाय, करिमन बाछा।
   भड़के गाय, बिजुके बाछा।।

5. करिया कुती बन में सुती।
   एक लात मारीं फुरदे उठी।।

6. लिपिला पोतिला धाँगेलू काहे?
   चुटकी बजाइला रोवेलू काहे?

7. एक चिरइया अट ओकर पाँख दूनो पट।
   ओकर खलरी ओदार, ओकर मांस मजेदार।।

---

(1) साल, (2) गुमा, (3) पिआज, (4) तरकुल, (5) ढेंका, (6) बिच्छी, (7) ऊख

www.bhojpurisahityangan.com

8. एक चिरइया अवनी, काठ पर बइठनी
काठ खाले गुबुर गुबुर हगले भुरकुसनी।।

9. गोली गइया दूहे गइनी
धवरी देलस मार।।

10. आठ काठ के लकड़ी, नव पंजा के डोर
पिया गइलन मधुबन, के खिंची डोर।।

11. हती चुकी चुकिया में तीन बचवा
तनी मनी धाम लागल, उड़ बचवा।।

12. लाल ढकना करताल ढकना
खोल खिड़की पहुंचाव पटना।।

13. झन झन करे छिपा लोटा झन झन करे ताई
ई बुझबलिया बुझऽ ना तऽ बाप तोर कसाई।।

14. झांझर कुंआ रतन के बारी
ई बुझबलिया बुझऽ ना तऽ गोरी देबो गारी।।

---

(8) आरा, (9) बेइर कांट, (10) नाव, (11) रेंडी,
(12) खत, (13) बिजली, (14) चालन

www.bhojpurisahityangan.com

15. एक पेड़ धम धुसर अइसन
फरे के ओढ़हुल अइसन
खाये के गुर मेवा अइसन।।

16. एक पेड़ के एक फूल
ओह में लगे सहतर भांती।।

17. छपर छपर बाँस काटी, नादी घोंघियाय रें
कंवल के फूल अलग अलग जाय रे।।

18. खउसे नगर में एके ढेला ।

19. एक पाख में दू दरवाजा।

20. एके जव भर घर भूसा।

21. हती मुती छंवड़ा रामातुर
पाँव पनहिया माथे फूल

22. रम रमना केवार झम झमना केवार
अइहें जवान तब खोलिहें केवार।।

---

(15) तरकुल, (16) केरा, (17) मठा महल, (18) चान, (19) नाक, (20) दिया, (21) मुर्गा, (22) रामायन

www.bhojpurisahityangan.com

23. लाल कटोरा उजर भात
ल जवाने हाथे हाथ।।

24. हती मुती चुकिया में जीरा भरी
बाबू रतन सिंह दांते धरी।।

25. कांचा पर गुलगुल पाकल कठेल
ई फल फरे मझौली के हेंठ।।

26. हती चुसी गाजी मियां बड़े चुकी पोंछ
चल गइले गाजी मिया रह गइल पोंछ।।

27. माथे पर मोटरी
गांडी में लकड़ी।।

28. एक छिपा खिचड़ी
ना बापे से सधी
ना ददे से सधी।।

29. राजा के बगिया में का का गड़ल बा
एगो लेत एगो देत एगो टक मारत बा।।

---

(23) रुपया, (24) अमरूद, (25) बर्तन आंवा, (26) सूई-डोरा, (27) चूल्हा, (28) नून, (29) नरियर

www.bhojpurisahityangan.com

30. करिया गाय धान मुंहे जाय
राम दोहइये फर ना खाय।।

31. सोने के सलाई
केवाड़ी ओठंघाई
कुछ डोलत बड़ुये भाई
कुछ देखत बाडू दाई?

32. बाप खेत में, पूत पेट में
नाती गइले बरियाती।।

33. पाकल कोहंड़ा थसकल जाय
जे बुझे से आधा खाय।।

34. खात गुड़ शंकर लेखा
उगलस कपास लेखा।।

35. तार तलवार लेखा पाता
ओकरा कांखी तर बाचा
ओकरा माथा पर जाटा।।

36. तोहरा घरे गइनी, लगा के सुत रहनी

---

(30) धुआँ, (31) नेटा, (32) धुआँ, (33) पैखाना, (34) ऊख, (35) मकई, (36) किली

www.bhojpurisahityangan.com

37. तोहरा घरे गइनी
निकाल के सुत रहनी।।

38. नाथल भइंसा
घर घर घूमे।।

39. फरे के ना फुलाय के
सुप भर निकसे के।।

40. चाक डोले चकडोला डोले
खैरा पीपर कबहूं ना डोले।।

41. मोर पिछुअरिया सुअर घोंघियाय
ओकर हगलका सब केहू खाय।।

42. फरे के लद बद
फर गइल मीठइया।।

43. नन्हीं चुकी बाछी
फान गइल गाछी।।

---

(37) जूता, (38) तरजुई, (39) बहारन, (40) इनार, (41) आटा चक्की, (42) महुआ, (43) रूखी

www.bhojpurisahityangan.com

44. एने से अइले जट बाबा
ओने से अइली जदुली
बीचे राहे भेंट भइल
मार सटा सटुली।।

45. बड़ ताल छोट ताल
ताल के मोलाई
हाथी घोड़ा पानी पिये
सींक ना समाई।।

46. चार हड़र गड़र, दूई काठी
एक हांके ले मांछी।।

47. चार तनी झक मक, चार मुंह बवले
दू जाना लेत बाड़न टंगरी उठवले।।

48. करिया खंसी, पगार पर हंसी।

49. छोटी चुकी बिटिया जनकिया नाँव
बिगलस बंसी, लुटवलस गाँव।।

50. आर बा, पगार बा
बीचे बीच दरार बा।।

---

(44) किली, (45) भुसी-चुनी, (46) गाय, (47) सैर, (48) हंसुवा, (49) आग, (50) गहुंम

www.bhojpurisahityangan.com

51. देख के चल
ना तऽ धांस देब।।

52. साया उघार
मार गप दे।।

53. उजर हईं उजर हईं
गोर घरे रहिला
लाल खाना खाइला।।

54. करिया गाय
ओकरा माथे अंडुवार।।

55. हरदी के गाब गुब
पीतर के लोटा
ई बुझबलिया बुझऽ ना तऽ
बानर के बेटा।।

56. अस्सी कोस के पोखरा
चडरासी कोस के घाट
बजर परे ऊ पोखरा कि
पंछी पियासल जाय।।

---

(51) कांटा, (52) पाकल केरा, (53) चीलर, (54) तरकुल, (55) सिरफल, (56) सीत

www.bhojpurisahityangan.com

57. औरत – कांह कुदारी बांसुरी
कहंवा जालऽ मीत?
मरद – जाइना त रन बन
चनन छावेनी।।

58. तीन अँगुरी के पेड़
तीन हाथ के पत्ता।।

59. हती मुटी छंउड़ी
ओकरा पेटे में बाचा।।

60. हती मुटी छउड़ी
ओकर नकिये टेढ़।।

61. बन से आइल बन से
घरे छेदवलस कान
सोरह टांग पर धावेले
ओकरा में नइखे प्रान।।

62. पाँच जीव जनमल संवसारा
एकइस ऊपर सिस हजारा
तीन हजार बेयालिस नैना
ई बूझ त बोल बैना।।

---

(57)....., (58) कुंहार के चाक, (59) गेहूँ, (60) बुट, (61) हेंगा, (62) शेषनाग, इन्द्र, दशानन, ब्रम्हा

www.bhojpurisahityangan.com

63. चक्र सुदर्शन, धनुहा बान
मोर बिलकिया, तोर परान ।।

64. सोने के सोन तिवारी
सोने के पिंजड़ा
सोन तिवारी उड़ गइले
पड़ल बा पिंजड़ा।।

65. एक जंगल से निकसल बाघीन
पेट सटकल पोंछ गाभीन।।

66. लाल झड़ी, पताल गड़ी।

67. एक गोड़वा भइंस, दू गोड़वा चरवाह
ऊ भइंस आकास में दुहाय।।

68. आँख दूनो मुलुर मुलुर
कान दूनो नाही।
छवर में रोववले रही
याद बा कि नाही।।

69. पंडित हो चकंडित बिना पतई के रूख बताव ।

---

(63) जांता, (64) जीव देह, (65) हाड़ा, (66) सकरकंद, (67) तिलंगी, (68) बिच्छी, (69)

www.bhojpurisahityangan.com

70. उगत रूख चुमी के, आदार बाछा जोती के
परल लउर उठाई के, झर झर फुलवा झरिले।।

71. जल डोले जलवइया डोले, पानी में कटोरा डोले
चोर देखे सके।

72. बेद के लबेद के भइल, बिना बाप के लइका
भइल/भइबो कइल तब भाई ना रहे जब।।

73. साठ बच्चा बिआई के, अस्सी के गइल पेट,
पंचायत में किरिया खइली, पुरूष से ना भेंट।।

74. घर बारह, कोठा चौबिस, परजा पंद्रह,
महतो तीस, ओमे सात बनिजी करे,
एक बनिजी रोजे मरे।

75. मर गइल पुरूष, तर गइल नार,
से नर के लइका चार, से चारों के चार चार
जे बुझे से पंडित होय।।

76. शिव सुत माता नांव के, अछर चार सुदेस
मध्य जुगल के छोड़ के, भेजल कर हमेस।।

77. चार दरवाजा, सोरह घर
चौंसठ कन्या, एके बर।।

---

(76) पारबती, (77) चौसर खेल

www.bhojpurisahityangan.com

78. सव सव मिल के घर में रहे
सबके मुंहवा काला
पकड़ घस निकले लागी
एक एक से ज्वाला।।

79. आठ मास नइहर में रहतीं
चढ़त कुआर पिया के गहतीं
जब हम हंसी त पिया रोवे
ठुमुक ठुमुक के तखा टोवे
जब हम करीं सेनुर भर माँग
पिया के फाटे आठों अंग

80. देखल से लेलस ना, लेलस से खइलस ना,
खा गइल दोसर।

81. नीचे आग, ऊपर पानी
जे बुझे से अद्भुत ग्यानी।।

82. छोटी चुकी बिटिया
गज भर के चुटिया।।

---

(78) सलाई काठी, (82) सूई डोरा

www.bhojpurisahityangan.com

83. छोटी मुटी टुंइया, पटक देनी भुइंया,
फाटे के ना फूटे के बाह बाह टुइंया।।

84. बरेला दिया, बइठ रहे मियां
बोत गइल दिया, भाग गइल मियां।।

85. चउरियापुर के राजा, कठवातिया घाट उतरेले
मिले के बा मिल ना तऽ सीतल घाट जाइला।।

86. चनरपुर के राजा, तहरपुर घरइले
चुटकपुर में सोर भइल, नहरपुर मरइले।।

87. मोती के पोती, उनका जुड़ा ना चोटी।

88. आसमान में झूले हाथी
लइमन के ह सच्चा साथी ।।

89. एक किला के दू रखवाला।
दूनो लम्बा दूनो काला।।

90. बुढ़वा के बुढ़िया घिसिआवेले।

---

(83) तोरी, (84) परछाहीं, (85) मांड, (86) ढील, (87) इंदिरा गाँधी, (88) तिलंगी, (89) मोंछ, (90) पोतन

www.bhojpurisahityangan.com

91. गइया चरे रेत में, बछरुवा चरे खेत में
जब गइया हुंकारी भरे तब बछरुवा पेट में।।

92. लाल गाय खर्ह खाय,
पानी पिये मर जाय।।

93. एक मुठी राई, सगरो छिंटाई
बिनले ना बिनाई।।

94. नव सौ बढ़ई, नव सौ लोहार,
तबो ना कटे सरगंडी के डाल।।

95. चार चार चले, दू सुप चले
बादशाह के लइका साथ चले।।

96. ऊपर से झल झला नीचे में अंड़ा
ई बुझवलिया बुझ के गोरी उठाव घड़ा।।
बाप के नाव से पूत के नात के बा अवर
ई बुझवलिया बुझ के पांडे उठाव कवर।।

97. उंह उंह काहे रे, दाँत चिअरले कीहे रे?
हम चिअरनी काम खातिर, तें चिअरलस काहें रे?

---

(91) तसला-कलछुल, (92) आग, (93) तरेगन, (94) परछाहीं, (95) हाथी, (96) महुआ, (97) कपास / साँप

www.bhojpurisahityangan.com

98. दस पाँच पाहुन अइले, बरी पाकल एके
सब केहू में खांड़ा टूकी, पिछिला में एके।।

99. दूगो लटकल, एगो खाढ़
तीन आदमी के दूगो आँख।।

100. दस नख चले पृथ्वी, तीस नख चले आकास
तीन लोक के सम्पदा एक मनुस ले जास।।

101. एक फूल सहत्तर भतिया
ना बुझे से मेहरी के नतिया।।

102. डालिला चपोत के,
उगलिला खुनिया के।।

103. लाल बांस काटिला, पताल घर बनाइला
घर में समाइला त ढेरे घबड़ाइला।।

---

(98) पुनम के चान, (99) सरवन आ मां-बाप, (100) कृष्ण वासुदेव, (101) केरा, (102) पान, (103) इनार

www.bhojpurisahityangan.com

104. मइया लंगवा, पाया पतंगवा ।
फूलमति बहिनी, भइया भदकवा ।।

105. वन में गिरल धमाक सेना, दउड़ल दूगो दोसर
दउड़े से पावे ना, पावे दूगो दोसर
पावे से खाये ना, खाय दूगो दोसर
खाय से पिराय ना, पिराय दूगो दोसर
पिराय से रोवेना, रोवे दूगो दोसर
रोवे से ना लोर पोछे, पोछे दूगो दोसर

106. हम कोठवा उठवनी, तू ढहले काहे?
हम टिमकी बजवनी, तू रोवले काहे?

107. एक चिरइयां रसनी, खूंटा प बइठनी
जब चले रन-बन, तब कमर कसनी ।

108. छिछली गढ़इया में, कजल पानी,
ओह में से निकलस, लाल भवानी ।।

109. एक कहानी हम कहीं, सुनाले सुनाले पुत ।
बिना पाँख के उड़ चलल, बांहि गला में सुत ।।

---

(104) कोहंडा, (105)..... (106) बिर्हनी, (107) घोड़ा, (108) पुआ, (109) तिलंगी

www.bhojpurisahityangan.com

110. उगल फूलवा गिनल के?
गिरत फूलवा चुनल के?

111. अरवा चाउर, उजर पीठा।
चुमा लेनी, चिचिया के उठल।।

112. देस के बेटा मर गइल
केहू रोवल ना।।

113. अउंठी पउंठी बार, बीच में बिदोरल।
टोवला पर नीमन, बड़ सुकवार।।

114. समय प बोअइली, लइकाईं में नोचइली, चोंथइली,
जवानी में फूलइली, बुढ़ारी में मइसइली।।

115. आन बहुरिया बइठ
भीतर से खिंचब
ध टंगरी चिरब।।

116. झांझर कुइयाँ, रतन फूलवारी।
ना बझबऽ तब सुनबऽ गारी।।

---

(110) तरेगन, बुनी, (111) संख, (112) सांप, (113) आंख, (114) बूँट, (115) दतुअन, (116) चलनी

www.bhojpurisahityangan.com

117. ननदी बसे रन-बन, ससुई आकास,
ननदी बसे टूटान मड़इया, देवरा जल के पास।
ई चारो एकठा करब तबे भेजब पास।।

118. चार मुँह, दो पोंछड़ा, छव कान, दस गोड़।
एक मुँह बिन जीव के, पंडित करस बिचार।।

119. भोरे भोर चार गोड़, दुपहर में दूइए।
साँझ खानी तीन गोड़, बोल बोल भइए।।

120. 'गड़हा गड़ही दू नयन ना?'
'अंधा रहे?'
'ना! सरकत गइल पताल में?'
'साँप रहे?'
'ना! बम बम बोले?'
'सिवजी रहीं?'
'ना! पकड़ पीठकर चढ़ गइल?'
'अहिरावन रहे?'
'ना! ना!'
'घर के मालिक रहे?'
'हं।'

121. काली बानी, काली बानी, काला बने रहिला।
खाइला ना, पिहिला, लाल पानी पिहिला।।

---

(117) पान, चूना, का आ कसइली, (118) भइंस, पाड़ी, आदमी, काँटी, (119) लइकपन, जवानी, बुढ़ापा, (120) घरइता, (121) ढील

www.bhojpurisahityangan.com

122. मयगर माथे, तेलिया लावे घानी-दोनी।
गोरा उठावे घड़ा, पंडा उठावे कवर।।

123. तोहरा घरे गइनी।
उटकेर के अइनी।।

124. तोहरा घरे गइनी
एके हाथे निकाल के बइठ रहनी।।

125. कथ फरे, कथ गुलर फरे, फरे उनइसी दाख।
चिर चिरुगुनी देखे, मानुष तुर तुर के खाय।।

126. ए सखी राई बेचबू कइसे?
रावन, मेघ, मंदोदरी जइसे।

127. दसरथ देव।
पवनसुत लेव।।

---

(122) महुआ, (123) महुआ, (124) महुआ, (125) बोरसी, (126) जूता, (127) कसइली,

www.bhojpurisahityangan.com

128. नन्ही गोके डिबिया में लाल बिनिया।

129. तोहरा बदे हमरा मारस, अउर लगावस डोरा।
जबरे से त कनखी मरिहें, खींच लिहे कोरा।।

130. हड़बड़, गुड़बड़, मुड़बड़, ना चापट चोंइया
ना रोंइगा ।।

131. लाल मउर, मुर्गा ना, चार पैर घोड़ा ना
लाम पोंछ हनुमान ना, सबुज रंग ना मोर।।

132. चारों समधी चारों बांड़
चारों समधी दू दू आंड़।।

133. चक्र सुदर्शन, धनुहा बान।
तोरा भुरकी प मोर ध्यान।।

134. चार कोन के कोठरी, चारों ओर भंवरा।
ता पर योगी दंड मारे, ना बुझे गंवारा।।

---

(128) मंसुरी, (129) बंसी, (130) चारा, (131) गिरगिट, (132) खटिया, (133) जांता, (134) खटिया

www.bhojpurisahityangan.com

चिढ़उवल

केहू धाम छेक लेला तब -

1. धाम घाम लोई, सिकार बाप डोई।
   डयनी के दूघवा के पीये लोई
   घाम छेंके सोई।

घोड़ी चढ़ जात पंडित के चिढ़ावे खातिर -

1. बाबा जी के घोड़ी, लइका बिदोरी
   दाँते काटी, लाते मारी, तबहूं ना छोड़ी।।

2. पंडित जी पंडोल डोल
   टीका करीं गोल गोल ।।

राह जात पंडित के चिढ़ावे खातिर -

पंडित जी पंडित जी गोड़ लागिला
रउरा छोटकी पतोहिया के ले भागिला ।

नउवा के चिढ़ावे खातिर -

1. नउवा गइल कउवा बझावे
   बाझ गइल बदुरी।
   नउनिया गइल चउका पुरावे
   धंस गइल अंगुरी।।

www.bhojpurisahityangan.com

2. लाल गोंरइया पीयर माटी
कहंवा से अइले हजमा नाती।।

निहोरा के चिढ़ावे खातिर -

आंही आइल पानी आइल
आइल झकझोरा
मेहरी के टांग घइके
रोवेले निहोरा।

अहीर के चिढ़ावे खातिर -

अहीर बिलार बनबइरी के लासा
अहीर पदलस भइल तमासा।।

जवन लइका माथ मुंडवा लेला

ओकरा के चिढ़ावे खातिर -

बेल मुंडी ढब ढब, तीसी रोटी गब गब
कपर छील कपर छील, तोरा कपरे में बील।।

भुअर लइका के चिढ़ावे खातिर -

बाप माई के दुअरा, बेटा शिकुंवरा,
तेल बिना भुअरा, सुते के दुअरा,
सुत गइल पुअरा।।

www.bhojpurisahityangan.com

लंगटे घुमत लइका के चिढ़ावे खारित -

लंगटा गोंसाईं चुड़ा दही खाई,
मलिया में तेल बा गंड़िया में लाई।।

कुठांव हगत लइका के चिढ़ावे खातिर -

हग हग आवे द
लाला के बोलावे द।।

पंडुक के चिढ़ावे खातिर -

तीसी तेल टके सेर
ध दे पउवा लेजो तेल।।

कोइलर के चिढ़ावे खातिर -

कउवा के खोंता में अण्डा तोहार
ए कोइलर तोहरो कउवा भतार।।

कनिया के चिढ़ावे खातिर -

1. कनिया हो दूगो घनिया द
लाल मिरचाई के फोरन द
भाई अलवऽ भेंट करऽ
मोटरी भीतर कर।।

2. कनेया बहुरिया के लाल गोदना
भइया बोलावेला चल अँगना।।

www.bhojpurisahityangan.com

लंगड़ के चिढ़ावे खातिर -

लंगड़ी बिलंगड़ी साग-रोटी खो
बाप गलहू चकरी बनुक ले के जो।।

मोट अदमी के चिढ़ावे खातिर -

ए मोटकी तोर हांडी चटकी
आई हरिननना उठाई पटकी।।

डोली में जात कनिया के चिढ़ावे खातिर -

रहरी में रहरी पुरान रहरी
डोली में के कनिया हमार मेंहरी ।।

फुफा के चिढ़ावे खातिर -

फुफा फुफेली, गुर के भेली, बांस के चंगोली
फुफा के बहिनी के ले गइल तेली।।

लाला के चिढ़ावे खातिर -

लाला बिलाला के तीन मेंहरी
एगो कुटे, एगो पीसे, एगो तेल रगरी।।

जवना लइका के आँख आ जाले ओकरा के चिढ़ावे खातिर -

आँखिया आइल गुलरिया पाकल
चलऽ लइके गुलर खाय।
गुलर त सियार बा, हमरा कवनो काम बा।।

www.bhojpurisahityangan.com

बेटी संग खेलत लइका के चिढ़ावे खातिर -

बेटियन में बेटवा गुलेल खेलेला
भर माँग सेनुरा जियान करेला।।

रोवत लइका के चिढ़ावे खातिर -

रोआ रोआ रोआ, कठउती गांड़ धोआ।।

भुइंया के चिढ़ावे खातिर -

भुइंया भुभुरकी तोर माई तुरकी
कोठवा पर दमदम तोर भाई टमटम।।

कांवर वाला के चिढ़ावे खातिर -

लचर लचर कांवर करे, पटुआ के डोरी
गिरले कहार भाई, दंतवा बिदोरी।।

हाथी के चिढ़ावे खातिर -

हथिया हथंग, तोरा मइया के चुचंग (भुचंग)

ऊंट के चिढ़ावे खातिर -

ए ऊँटवा दूगो बूंट दे, महा बाजार में पइसा दे।।

वानर के चिढ़ावे खातिर -

ए बनरा तोर गंड़िया लाल।।

www.bhojpurisahityangan.com

सियार के चिढ़ावे खातिर -

सियार गांड़ भभदर।

बिलाई के खातिर -

ए बिलइया मउंसी, कोदो के चलउंसी
बिलरा बीमार बा, हमरा कवनो काम बा।।

बूढ़ी के चिढ़ावे खातिर / कंजूसो के खातिर -

1. राम कहु राम रमकलिया के माई
बेर भर सतुआ बरिस दिन जाई।।

2. तइया के माई, डूबा डूब लोरवा।।

अहीरिन के चिढ़ावे खातिर -

भुअरी भइंसिया बिआइल बिया पाड़ी
सेर भर दूध में अढ़ाई सेर पानी।

कानून के चिढ़ावे खातिर -

एक पसेरी में सात सेर भार
ऊपर से कहेले दबिला मार।।

ब्राम्हण के लइका के चिढ़ावे खातिर -

लुभुकी पंडाइन
गेंठी बांहेली जवाइन।।

www.bhojpurisahityangan.com

लाला के चिढ़ावे खातिर -

लाला गइले खाला में
बकुलवा मरलस ठोर
उहे लाला जीयत बाड़न
चाम लेके सीयत बाड़न ।।

करिया लइका के चिढ़ावे खातिर -

करिया करीमन, हाथ-गोड़ निमन।।



www.bhojpurisahityangan.com

चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह 'आरोही' के साहित्यिक अवदान

भोजपुरी रचना संसार –

1. माटी के महक – कविता संग्रह – 1967
2. गीत जिनगी के – कविता संग्रह – 1978
3. भोजपुरी साहित्यकार दर्पण –1 – संदर्भ ग्रंथ– 1982
4. नया एगो सूरज– ग़ज़ल संग्रह – 1987
5. भोजपुरी साहित्यकार दर्पण–1 – संदर्भ ग्रंथ–1987
6. बड़प्पन – कहानी संग्रह – 1990
7. सही मंजिल – कहानी संग्रह – 1991
8. बेगुनाह – कहानी संग्रह – 1999
9. आदमियत – एकांकी संग्रह – 1999
10. भोजपुरी साहित्यकार दर्पण–2 – संदर्भ ग्रंथ – 1999
11. साक्षात लक्ष्मी – नाटक – 2000
12. आरोही हजारा – दोहा कोश – 2001
13. बरवै ब्रम्ह रामायण – प्रबंध काव्य – 2004
14. कुँवर गाथा – प्रबंध काव्य – 2004
15. सहस्त्रदल – सोरठा कोश – 2004
16. अजस्रधारा – बरवै कोश – 2005
17. जयघोष – कुँवर काव्य – 2008
18. विश्वासघात – नाटक संग्रह – 2009
19. अपराजित – एकांकी संग्रह – 2009
20. शिव – लघुकथा संग्रह– 2009
21. ब्रम्हा – कविता संग्रह – 2019
22. नीम – हाइकु संग्रह – 2010

www.bhojpurisahityangan.com

23. अनुमन्ता – एकांकी संग्रह – 2014
24. धर्मी – एकांकी संग्रह – 2014
25. भोजपुरी इनसाइक्लोपीडिया –
    भाग 1 – संदर्भ ग्रंथ – 2016
26. आरोही रचनावली भाग 1 – कहानी संग्रह – 1918
27. गोपी गीत – प्रेम काव्य – 1919
28. आरोही रचनावली भाग 2 – एकांकी संग्रह – 1919
29. आरोही रचनावली भाग 3 – काव्य संग्रह– 1919
30. भोजपुरी इनसाइक्लोपीडिया
    भाग 2 – संदर्भ ग्रंथ – 2020
31. माटी करे पुकार – कविता संग्रह – 2020
32. अन्तहीन – सोरठा कोश – 2021

हिन्दी गजल संग्रह –

33. चेहरे की रेखाएं भाग – 1
34. चेहरे की रेखाएं भाग – 2

उहाँ के व्यक्तित्व आ कृतित्व पर भोजपुरी में लघु शोध, संस्मरण, विशेषांक आदि

1. चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह आरोही : व्यक्तित्व अउर कृतित्व – लघु शोध – जय प्रकाश विश्वासी
2. चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह : इरादों के झरोखा में संपादक – डॉ. रामजन्म मिश्र
3. भोजपुरी के अनन्य साधक : चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह, संपादक – डॉ. राजीव उपाध्याय

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com



श्री नर्मदा प्रकाशन
साहित्य सेवा में समर्पित

ISBN 978-93-344-2744-8

Rs. 250.00

E-mail : shrinarmadaprakashan@gmail.com